M.A. Hindi

HIN 211 आधुनिक काव्य (आदर्शवादी, छायावादी तथा अन्य काव्य) और आधुनिक कविता

HIN 212 भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा का विकास

HIN 213 हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भाक्तिकाल, रीतिकाल और आधुनिककाल)

HIN 214 संचार माध्यम: सिद्धांत और स्वरूप और भारतीय साहित्य

HIN 211 आधुनिक काव्य (आदर्शवादी, छायावादी तथा अन्य काव्य) और आधुनिक कविता

इकाई	पाठ्यविषय
इकाई– I	साकेत (नवम् सर्ग) – मैथिलीशरण गुप्त संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन
इकाई– II	कामायनी (लज्जा सर्ग) – जयशंकर प्रसाद संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन
इकाई– III	1) बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ – महादेवी वर्मा 2) पहाडी बच्चा – निर्मल पुतुल 3) कूडा बीनते बच्चे – अनामिका 4) जिंदगी का नमक – निर्मला गर्ग 5) अंधेरे में बुद्ध – गगन गिल उक्त रचनाओं का, संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन।
इकाई– IV	1) बात बोलेगी – शमशेर बहादुर सिंह 2) एक पीली शाम – शमशेर बहादुर सिंह 3) भारत की आरती – शमशेर बहादुर सिंह 4) रोटी और संसद – धूमिल 5) मोचीराम – धूमिल उक्त रचनाओं का, संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन।

इकाई– V	1) बादल को घिरते देखा – नागार्जुन 2) शासन की बंदूक – नागार्जुन 3) मेरी आभा है इसी में – नागार्जुन 4) जन जन का चेहरा एक – मुक्तिबोध 5) भूल गलती – मुक्तिबोध उक्त रचनाओं का, संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन।
इकाई– VI	1) असाध्य वीणा – अज्ञेय 2) हीरोसिमा – अज्ञेय 3) कनुप्रिया अंश – धर्मवीर भारती 4) ठंडा लोहा – धर्मवीर भारती 5) फिरोजी होंठ – धर्मवीर भारती उक्त रचनाओं का, संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन।
इकाई– VII	1) आदिवासी स्त्रियाँ – निर्मला पुतुल 2) बूढी पृथ्वी का दुख – निर्मला पुतुल 3) दरवाजा – अनामिका 4) जनम ले रहा है नया पुरुष – अनामिका 5) नमक – अनामिका उक्त रचनाओं का, संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन।
इकाई- VIII	1) पेड़ का नाच – लीलाधर मंडलोई 2) जानती है सिर्फ नदी – लीलाधर मंडलोई 3) गुंगा नहीं था मैं – जयप्रकाश कर्दम 4) बेमानी है आजादी – जयप्रकाश कर्दम 5) शुक्र है तू नहीं है – जयप्रकाश कर्दम उक्त रचनाओं का, संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन।

HIN 212 भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा का विकास

इकाई	पाठ्यविषय
इकाई– I	भाषाविज्ञान : परिभाषा, स्वरूप और व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ।
इकाई– II	स्वनिम विज्ञान : स्वन की परिभाषा, वागावयव और कार्य, स्वन वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिम परिवर्तन।
इकाई– III	रूपिम विज्ञान : रूप प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की परिभाषा, रूपिम के भेद और प्रकार्य। पदबंध और उपवाक्य : पदबंध का स्वरूप, पदबंध के भेद, उपवाक्य का स्वरूप, उपवाक्य के भेद।
इकाई– IV	वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा और स्वरूप, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण। अर्थ विज्ञान : अर्थ की परिभाषा और स्वरूप, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ और कारण।
इकाई– V	हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ : वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत। मध्यकालीन आर्य भाषाएँ : पालि, प्राकृत, शौरसेनी, पैशाची, महाराष्ट्री, अर्धमागधी, मागधी।
इकाई– VI	आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ : बंगाली, असमिया, उडिया, हिंदी, गुजराती, पंजाबी, सिंधी, गढ़वाली, मराठी।
इकाई– VII	हिंदी की स्वनिम व्यवस्था : खंडय और खंडेयत्तर, हिंदी ध्वनियों के वर्गीकरण का आधार, हिंदी शब्द रचना – उपसर्ग, प्रत्यय, समास।
इकाई– VIII	हिंदी की रूप रचना : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया रूप, लिंग, वचन, कारक व्यवस्था।

HIN 213 हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भाक्तिकाल, रीतिकाल और आधुनिककाल)

इकाई	पाठ्यविषय
इकाई– I	हिंदी साहित्येतिहास दर्शन, हिंदी साहित्येतिहास लेखन की पद्धतियाँ, हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन और नामकरण।
इकाई– II	आदिकाल की विशेषताएँ एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, रासो साहित्य, जैन साहित्य, सिद्ध और नाथ साहित्य। अमीर खुसरो की हिंदी कविता।
इकाई– III	भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप, आलवार संत, भक्तिकाल का प्रमुख संप्रदाय और उनका वैचारिक आधार। निर्गुण–सगुण कवि और उनका काव्य। निर्गुण धारा के कवि : कबीर, रैदास, दादू, नामदेव, जायसी, कुतुबन, मंझन। सगुण धारा के कवि : सूरदास, मीराबाई, रसखान, नंददास, तुलसीदास, नाभादास।
इकाई– IV	रीतिकाल की सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ– रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त। रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य। बिहारी, केशव, घनानंद, देवा, भूषण, बोधा, आलम, ठाकुर।

इकाई– V	हिंदी गद्य का उद्भव और विकास : भारतेंदु पूर्व हिंदी गद्य : 1957 की क्रांति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण : भारतेंदु युग, 19 वीं शताब्दी की हिंदी पत्रकारिता।
इकाई– VI	द्विवेदी युग : महावीरप्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिंदी नवजागरण और स्वरस्वती पत्रिका, राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवि, स्वच्छंदतावाद और उसके प्रमुख कवि।
इकाई– VII	छायावाद, प्रगतिवाद : छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, छायावाद के प्रमुख कवि। प्रगतिवादी काव्य और प्रमख कवि, प्रगतिवादी काव्य की विशेषताएँ।
इकाई– VIII	प्रयोगवाद, नई कविता : प्रयोगवाद के प्रमुख कवि, प्रयोगवाद की विशेषताएँ, नई कविता की विशेषताएँ, नई कविता के प्रमुख कवि।

HIN 214 संचार माध्यम: सिद्धांत और स्वरूप और भारतीय साहित्य

इकाई– I	संचार, जनसंचार तथा संप्रेषण : अवधारणा और स्वरूप। संचार माध्यम : सिद्धांत और स्वरूप। संचार के संघटक तत्व। संचार–माध्यमों से लाभ–हानि।
इकाई– II	सूचना क्रांति बनाम सूचना–उद्योग। संचार माध्यम के प्रकार : 1) परंपरागत, 2) मौखिक, 3) लिखित, 4) आधुनिक।
इकाई– III	आधुनिक संचार माध्यम : 1) मुद्रित, 2) रेडियो, 3) चलचित्र, 4) विद्युतीय, 5) बहुमाध्यम, 6) हाइपर मीडिया संचार माध्यमों द्वारा संप्रेषित संदेश की भाषिक प्रकृति।
इकाई– IV	संचार माध्यमों की बहुआयामी भूमिका : 1) जन संपर्क, 2) जन शिक्षण, 3) जन प्रबोधन, 4) जन निर्माण, 5) जन समस्या का समाधान, 6) जन रंजन। वर्तमान सूचना क्रांति के विविध आयाम।
इकाई– V	भारतीय साहित्य की अवधारणा, भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।
इकाई– VI	भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब, भारतीयता का समाजशास्त्र, हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।
इकाई– VII	कन्नड साहित्य का इतिहास 1) पंपपूर्व युग 2) पंप युग 3) बसवा युग 4) कुमाराव्यास युग 5) आधुनिक युग
इकाई–VIII	रसीदी तिकट – अमृता प्रीतम। रचनाकार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।